



अध्यक्ष की कलम से



“शुद्ध लाभ ₹10,000 करोड़ के पार – 41.66% वृद्धि के साथ ₹11,707 करोड़ पर पहुँचा – देश में किसी कारपोरेट द्वारा अर्जित एक सर्वोच्च लाभ”

6.5%

वर्ष 2010-11 में भारत की जीडीपी विकास दर

3.85%

शानदार शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) में 53 आधार बिंदुओं की वृद्धि। वित्त वर्ष 12 में 3.85% जबकि वित्त वर्ष 11 में 3.32%

प्रिय शेयरधारको,

मुझे आपके बैंक के वित्त वर्ष 2011-12 के निष्पादन का ब्योरा प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। उक्त वर्ष की आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट भी भेज रहा हूँ, जिसमें आपके बैंक की इस वर्ष की कुछ बड़ी उपलब्धियों एवं प्रयासों की जानकारी दी गई है।

आर्थिक परिदृश्य

दुनिया भर में विकास दर का परिदृश्य यूरो क्षेत्र देशों के कर्ज संकट, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और ज्यादातर देशों की कमजोर संवृद्धि दर के कारण चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। हालांकि वित्त वर्ष 12 में भारत की जीडीपी की विकास दर विश्व की सर्वोत्कृष्ट में से एक रही है, फिर भी अर्थव्यवस्था की स्थिति के बारे में चिंताएँ भी हैं। मुद्रास्फीति कुछ कम हुई है किंतु सामान्य स्तर से ऊपर बनी हुई है और विकास दर में आशातीत कमी आई है। दोनों ऊंचे घाटे अर्थात् चालू खाता घाटे और वित्तीय घाटे के साथ-साथ बढ़ी हुई मुद्रास्फीति विशेषकर खाद्यान्न मुद्रास्फीति विकास दर के लिए जोखिमपूर्ण है। इस परिवेश में भारत की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 12 में गिरकर लगभग 6.5% रह गई है, जो वित्त वर्ष 11 में 8.4% की दर से बढ़ रही थी।

बैंक का वित्तीय निष्पादन

इस चुनौतीपूर्ण परिवेश में मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 11 के स्तर ₹8,265 करोड़ से 41.66% बढ़कर वित्त वर्ष 12



From the Chairman's Desk



“Net Profit crossed ₹10,000 crores – Increased by 41.66% to ₹11,707 crores – One of the highest net profits earned by any corporate in the country”

Dear Shareholders,

It gives me great pleasure to place before you the highlights of your Bank's performance during the financial year 2011-12. Details of the achievements and initiatives taken by your Bank are provided in the enclosed Annual Report for the year.

Economic Overview

The global growth environment has remained challenging due to the Euro zone sovereign debt crisis, volatile oil prices and fragile growth in most countries. Though India's GDP growth in FY'12 was one of the best in the world, there are concerns about the state of the economy. Inflation has moderated but remains above tolerance levels and growth has slowed perceptibly. The high twin deficits namely current account deficit and fiscal deficit, combined with elevated inflation, particularly food inflation, pose risks to growth. In this milieu, India's GDP has slowed to 6.5% in FY'12 after growing at 8.4% in FY'11.

Bank's Financial Performance

Against the backdrop of a challenging environment, I am happy to announce that Net Profit of your Bank increased by 41.66% from

6.5%

India's GDP growth in
2011-12

3.85%

Strong Net Interest Margin
- Rose by 53 bps to 3.85%
in FY'12 from 3.32%
in FY'11



“शुद्ध ब्याज आय में बेहतरीन वृद्धि दर्ज की गई – वित्त वर्ष 12 में यह 33.10% बढ़कर ₹43,291 करोड़ पर जा पहुँची”

में ₹11,707 करोड़ पर जा पहुँचा, जो देश में किसी कारपोरेट द्वारा अर्जित शुद्ध लाभ में उच्चतम है। आपके बैंक का परिचालन लाभ वित्त वर्ष 12 में 24.62% बढ़कर ₹31,574 पर पहुँच गया, जो वित्त वर्ष 11 में ₹25,336 करोड़ था। इससे पता चलता है कि बैंक के प्रमुख कारोबार बढ़िया रहे।

आपके बैंक ने शुद्ध ब्याज आय में अच्छी खासी वृद्धि दर्ज की और आय में लाभ की अपनी स्थिति मजबूत कर ली। विशेषकर अग्रिमों से हुई ब्याज आय वित्त वर्ष 11 में ₹59,976 करोड़ थी, जो वित्त वर्ष 12 में 35.18% बढ़कर ₹81,078 करोड़ पर पहुँच गई। विशेष रूप से, आपके बैंक की ब्याज आय में वित्त वर्ष 12 में 30.87% वृद्धि हुई जबकि वित्त वर्ष 11 में 14.65% वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 12 में ब्याज खर्च में वृद्धि 29.39% रही। शुल्क आय में भी वित्त वर्ष 12 में 4.56% वृद्धि दर्ज की गई। इस कारण, शुद्ध ब्याज आय वित्त वर्ष 12 में 33.10% बढ़कर ₹43,291 करोड़ पर पहुँच गई। परंतु, बाजार की स्थितियों के अनुरूप गैर-ब्याज आय में देश में ईक्विटी और बांडों की बिक्री के कारण ₹920 करोड़ के नुकसान की वजह से 9.31% की गिरावट दिखाई दी।

दूसरी ओर, थोक जमाराशियों पर कम निर्भरता के चलते जमाराशियों पर दिए गए ब्याज में वित्त वर्ष 11 के स्तर ₹43,235 करोड़ की तुलना में 28.70% की कम वृद्धि दिखाई दी और यह वित्त वर्ष 12 में ₹55,644 करोड़ पर ही पहुँच पाई। सबसे बढ़कर, आय मापदंडों में तिमाही उतार-चढ़ाव से पता चलता है कि पिछले वर्ष में इसमें लगातार और खासी वृद्धि दिखाई दी, जिस कारण परिणाम अपेक्षानुरूप रहे।

सूझबूझ और बाजार को ध्यान में रखकर किए गए उपायों के कारण आपका बैंक लाभप्रदता के साथ ऋण दे सका और उचित लागत पर उधार ले सका। शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) वित्त वर्ष 11 के 3.32% की तुलना में बढ़कर वित्त वर्ष 12 में जोरदार 3.85% रहना मजबूत स्थिति को दर्शाता है। इस प्रदर्शन को शानदार कहा जा सकता है क्योंकि आपके बैंक की आधार दर पूरे उद्योग में सबसे कम है। इससे स्पष्ट है कि लोगों का विश्वास हमारे साथ है और हम “हर भारतीय का बैंक” बनने की दिशा में अग्रसर हैं। मैं गर्व के साथ कह सकता हूँ कि हमारा प्रदर्शन अन्यो की तुलना में बेहतर तो रहा ही है, साथ ही आपके बैंक का देश में निवल ब्याज मार्जिन 4.17% बेहतरीन है। इसीलिए हमारा स्थान अपने प्रतिस्पर्धियों की तुलना में बहुत ऊँचा है।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आय की वृद्धि दर व्यय की तुलना में कहीं अधिक है। स्टाफ खर्च को वर्तमान पारिश्रमिक और अधिवर्षिता खर्च के लिए प्रावधान करने के बाद बड़ी मात्रा में नियंत्रित रखा गया। वित्त वर्ष 11 में यह ₹15,213 करोड़ था जो 11.59% ही बढ़ा और वित्त वर्ष 12 में यह ₹16,974 करोड़ ही रहा। कुल मिलाकर सर्वांगीण सुधार के कारण कुल प्रावधान भी वित्त वर्ष 11 के स्तर ₹17,071 से सिर्फ 16.37% ही बढ़कर वित्त वर्ष 12 में ₹19,866 करोड़ रहे।

आस्ति गुणवत्ता

जोरदार संवृद्धि दर के साथ साथ आपके बैंक ने सुनिश्चित किया कि आस्ति गुणवत्ता लगातार अच्छी बनी रहे। मार्च 12 के अंत में आपके बैंक की सकल अनर्जक आस्तियाँ 4.44% रहीं। निवल अनर्जक आस्तियाँ दिसंबर 2011 में बढ़कर 2.22% हो गई थीं जो 2% की मनोवैज्ञानिक सीमा से नीचे गिरकर 1.82% पर आ गईं। आपके बैंक का प्रावधान सुरक्षा अनुपात मार्च 11 में 64.95% था, इसके बढ़कर मार्च 12 में 68.10% पर पहुँचना हमारी बेहतर सूझबूझ और सावधानी का परिचायक है।



“Robust increase recorded in Net Interest Income - up by 33.10% to ₹43,291 crores in FY’12.”

₹8,265 crores in FY’11 to ₹11,707 crores in FY’12, one of the highest net profits earned by any corporate in the country. Operating Profit for your Bank crossed ₹30,000 crores mark, rising by 24.62% to ₹31,574 crores in FY’12 from ₹25,336 crores in FY’11, indicating that core operations remain robust.

Your Bank consolidated gains on the income side by recording a robust increase in Net Interest Income. In particular, Interest Income on Advances rose by 35.18% from ₹59,976 crores in FY’11 to ₹81,078 crores in FY’12. Interest income of your Bank increased by 30.87% in FY’12 against a growth of 14.65% in FY’11 while growth in interest expenses stood at 29.39% in FY’12. Fee income also recorded a rise of 4.56% in FY’12. Consequently, Net Interest Income increased by 33.10% to ₹43,291 crores in FY’12. However, reflecting market conditions, non-interest income showed a decline of 9.31% due to the loss of ₹920 crores on account of sale of domestic equity and bonds.

On the other hand, with lower reliance on bulk deposits, interest paid on deposits showed a smaller increase of 28.70% from ₹43,235 crores in FY’11 to ₹55,644 crores in FY’12. More importantly, the quarterly movement in income parameters shows that the last year has witnessed a constant and consistent up trend, leading to enduring results.

Due to a prudent and market driven approach, your Bank is able to lend profitably and borrow at a reasonable cost which is clearly shown by the strong Net Interest Margin (NIM) of 3.85% in FY’12, up from 3.32% in FY’11. This performance is remarkable because your Bank has the lowest Base Rate in the industry, so, clearly we have the trust of the people as we strive to be ‘The Banker to Every Indian’. I can proudly say that not only have we outperformed our guidance but also your Bank’s domestic NIM at 4.17% is remarkable as it ranks at the very top among its peers.

You will be happy to see that revenue growth has significantly outstripped growth in expenses. Staff expenses, which have largely been contained after full provisions for current wages and superannuation expenses rose by 11.59% from ₹15,213 crores in FY’11 to ₹16,974 crores in FY’12. Due to consolidated improvement all round, total provisions also increased by only 16.37% from ₹17,071 crores in FY’11 to ₹19,866 crores in FY’12.

Asset Quality

Along with robust growth, your Bank has ensured that asset quality is maintained. As of end-March’12, Gross NPAs of your Bank stood at 4.44%. Net NPAs, that had risen to 2.22% in December’11 also fell below the psychological threshold of 2% to 1.82%. What adds to our strength is that your Bank’s Provision Coverage Ratio improved to 68.10% in March’12 from 64.95% in March’11, reflecting our abundant prudence and caution.



“सरकार से मार्च 2012 में ₹7,900 करोड़ आने से श्रेणी I पूँजी पर्याप्तता अनुपात के बढ़कर 9.79% पर पहुँचने में मदद मिली”

इसके अतिरिक्त, 31 मार्च 2012 को आपके बैंक की बहियों में बकाया ₹37,168 करोड़ की कुल पुनर्संचित मानक आस्तियों में से केवल ₹6,010 करोड़ अनर्जक आस्ति श्रेणी में हैं, इसलिए जोखिम भलीभांति नियंत्रित है।

अनर्जक आस्तियों के संबंध में हमारे द्वारा प्रतिबद्धता और सूझबूझ से प्रयास किए जाने के कारण स्थिति में यह सुधार संभव हो पाया है। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि हमने अपनी अनर्जक आस्तियों को घटाया है किंतु सूझबूझ के साथ उपाय करके प्रावधान बढ़ाए हैं। अनर्जक आस्तियों का स्तर नीचे आने का एक कारण वसूली बढ़ाने के लिए बैंक द्वारा हर संभव प्रयास करना भी है। आपके बैंक द्वारा माड्यूल व्यवस्था को फिर से लागू करने और पास से नियंत्रण तथा निगरानी रखने के लिए माड्यूलों में उप महाप्रबंधकों को पदस्थ किए जाने से भी इसमें मदद मिली है। कुल मिलाकर, हमारा प्रयास रहा है कि अनर्जक आस्तियों के स्तर को यथासंभव कम से कम रखा जाए।

पूँजी संरचना

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आपके बैंक का पूँजी पर्याप्तता अनुपात मार्च 11 के स्तर 11.98% से बढ़कर मार्च 12 में 13.86% पर पहुँच गया। विशेषकर, श्रेणी-1 पूँजी पर्याप्तता अनुपात जो किसी भी बैंक का शक्ति स्तंभ होता है, इस अवधि के दौरान 7.77% से बढ़कर 9.79% पर जा पहुँचा।

यह सुधार सर्वप्रथम बैंक के भीतर से पहले की तुलना में अधिक राशि जुटाए जाने और लाभों से प्राप्त राशि के कारण आया। दूसरा मार्च 2012 के अंत में सरकार द्वारा ₹7,900 करोड़ का पूँजी विनिधान किए जाने के कारण हुआ। आपके बैंक द्वारा पूँजी अधिकतमकरण के लिए भरसक प्रयास किए जाने का भी अच्छा फल मिला।

मैं यहाँ बताना चाहूँगा कि पूँजी विनिधान 3-4 वर्षों में केवल एक बार होता है, पर आपका बैंक एक कर्तव्यबद्ध कारपोरेट नागरिक के अपने दायित्व का निर्वाह पूरी निष्ठा के साथ करता रहा है और हर वर्ष देश भर में सबसे ज्यादा कर देने वाली संस्था है। आय कर और सेवा कर को मिलाकर आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2012 में ₹7,647 करोड़ का कुल कर दिया जबकि वित्त वर्ष 10 में ₹7,329 करोड़ का कर अदा किया था।

जमा और अग्रिम राशियाँ

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि आपके बैंक की जमाराशियाँ मार्च 11 के स्तर ₹9,33,933 करोड़ से 11.75% बढ़कर मार्च 12 में ₹10,43,647 करोड़ पर पहुँच गईं। मैं आपका ध्यान इस हकीकत की ओर दिलाना चाहूँगा कि हमने न केवल अपनी जमाराशियाँ बढ़ाई हैं बल्कि आपके बैंक की जमाराशियों की वृद्धि दर का स्तर बहुत ऊँचा रहा है। मीयादी जमाराशियों में, हमने थोक जमाराशियों और जमा प्रमाणपत्रों को लेना बंद कर दिया है। इसके बजाय हम स्थायी मीयादी जमाराशियों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इन दिनों जब अन्य बैंक बचत बैंक जमाराशियों पर ज्यादा ब्याज दे रहे हैं। आपके बैंक की बचत बैंक जमाराशियाँ मार्च 11 के स्तर ₹3,23,394 करोड़ से 11.27% बढ़कर मार्च 12 में ₹3,59,847 करोड़ पर पहुँच गई हैं।

ऐसा मल्टी सिटी चेकों के रूप में अपने सभी बचत बैंक ग्राहकों को मूल्यवर्धित सेवा देने, न्यूनतम शेष रखने की शर्त समाप्त करने, बड़ी संख्या में एटीएम लगाने और बचत बैंक खातेदारों को दुर्घटना बीमा देने से संभव हो सका।



“Govt. infusion of ₹7,900 crores in March 2012 helped Tier I Capital Adequacy Ratio increase to 9.79%.”

Further, out of total Restructured Standard Assets of ₹37,168 crores outstanding on the books of your Bank as on 31st March 2012, only ₹6,010 crores are in the NPA category, so the risk is well contained.

Our improved performance in respect of NPAs has been possible due to our committed and focused efforts. You will be happy to see that we have reduced our NPAs but increased provisioning as a prudent measure. One reason for the low level NPAs is all-out efforts made by your Bank to step up recovery. This has also been helped by the fact that your Bank has revived the modular structure and posted DGMs at modules for closer supervision and monitoring. Going forward, our endeavour is to keep the NPA levels as low as possible.

Capital structure

I am happy to announce that the Capital Adequacy Ratio for your Bank increased from 11.98% in March'11 to 13.86% in March'12. Specifically, the Tier-1 Capital Adequacy Ratio, which is the bedrock of a bank's strength, rose from 7.77% to 9.79% during this period.

This turnaround has been helped firstly, by improved internal generation and plough back of profits. A second reason is the ₹7,900 crores capital infusion by the Government at the end of March 2012. Finally, the huge effort made by your Bank in terms of optimising capital has paid off.

Let me point out here that while capital infusion happens only once in 3-4 years, as a good corporate citizen, your Bank discharges its duties diligently and is among the highest tax payers in the country every year. Including income tax and service tax, the total tax paid by your Bank rose from ₹7,329 crores in FY'10 to ₹7,647 crores in FY'12.

Deposits and Advances

You will be glad to see that deposits of your Bank rose from ₹9,33,933 crores in March'11 to ₹10,43,647 crores in March'12, a growth of 11.75%. I would like to draw your attention to the fact that not only have we grown our deposits, but the quality of your Bank's deposit growth is very good. In time deposits, we have stopped taking bulk deposits and CDs and instead focused on increasing our stable term deposits portfolio. In a scenario where other banks offer higher interest on savings bank deposits, your Bank's Savings Bank deposits increased by 11.27% from ₹3,23,394 crores in March 2011 to ₹3,59,847 crores in March 2012.

This was made possible through our efforts to deliver value to all our Savings Bank customers through multi-city cheques, doing away with minimum balance requirement, large number of ATMs and providing accident insurance for savings bank account holders.



“नंबर 1 गृह ऋण प्रदाता और 26% बाजार अंश”

मैं बताना चाहता हूँ कि कुल मिलाकर कासा अनुपात मार्च 11 के स्तर 48.52% से घटकर मार्च 12 में 46.64% पर आ गया। इसमें 188 आधार बिंदुओं की कमी भले ही आई, पर यह अन्य बैंकों के कासा अनुपात से काफी ऊपर है जिसे पाने के लिए वे अब भी प्रयासरत हैं।

आपके बैंक के सकल अग्रिमों में वर्ष-दर-वर्ष 15.78% की वृद्धि दर्ज की गई। मार्च 11 में ये ₹7,71,802 करोड़ थे जो मार्च 12 में ₹8,93,613 करोड़ पर पहुँच गए। देश में ऋण जमा अनुपात मार्च 12 के अंत में 78.5% रहा जो मार्च 11 के अंत के 76.3% से 220 आधार बिंदु ऊपर है।

आपके बैंक के अग्रिमों का सभी खंडों में अच्छा प्रसार बना रहा। बड़े कारपोरेट अग्रिम मार्च 11 के स्तर ₹1,08,741 करोड़ से बढ़कर मार्च 12 में ₹1,25,023 करोड़ पर पहुँच गए। इस प्रकार इनमें 15% की वृद्धि दर्ज हुई। मिड कारपोरेट अग्रिम ₹1,57,566 करोड़ से 6.4% बढ़कर ₹1,67,639 करोड़ पर पहुँच गए। हकीकत तो यह है कि मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक ने कृषि अग्रिमों में ₹1 लाख करोड़ के कीर्तिमान स्तर को पार कर लिया है।

खुदरा अग्रिमों में 10.9% की वृद्धि हुई, ये मार्च 11 में ₹1,64,576 करोड़ थे जो मार्च 12 में ₹1,82,427 करोड़ पर पहुँच गए। आपका बैंक बाजार में 26% हिस्सेदारी के साथ लगातार नंबर 1 गृह ऋण प्रदाता बना हुआ है। कार ऋण वित्तपोषण में भी इसने खुदरा बाजार में सर्वश्रेष्ठ ऋण प्रदाता के स्थान को बरकरार रखा है और मार्च 2012 को बाजार में इसकी हिस्सेदारी 17.51% रही।

आपका बैंक सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम खंड की ओर अपनी जिम्मेदारी के प्रति सजग है। यह खंड बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराता है और भारत की जीडीपी और निर्यातों में बड़ा योगदान करता है। लघु एवं मध्यम उद्यम व्यवसाय इकाई के अग्रिम मार्च 11 के स्तर ₹1,39,470 करोड़ से 17.40% बढ़कर मार्च 12 में ₹1,63,745 करोड़ पर पहुँच गए।

लाभांश

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के निदेशक बोर्ड ने 31 मार्च 2012 को ₹35 प्रति शेयर (350%) लाभांश की घोषणा की है।

नई पहल

- आपके बैंक द्वारा नया उत्पाद, “अनफिक्स्ड डिपॉजिट्स” शुरू किया गया। इसमें 7-180 दिनों के लिए जमाराशियाँ बिना दंड किसी भी समय तुड़वाने के विकल्प के साथ रखी जा सकती हैं। इस उत्पाद को जबरदस्त सफलता मिली है। 8-9% ब्याज दर वाला यह उत्पाद विशेष रूप से अल्पावधि जमाराशियाँ जुटाने और 8.8% से 9.5% के बीच मुनाफा और नकदीकरण की सुविधा देने वाले म्यूचुअल फंडों से मुकाबला करने के लिए शुरू किया गया है।
- व्यापार वित्त कारोबार बढ़ाने के लिए मार्च 11 में आपके बैंक ने एक वेब-आधारित पोर्टल, ई-ट्रेड एसबीआई शुरू किया है। इससे व्यापार वित्त सेवाएँ शीघ्रता से और कम लागत पर प्राप्त की जा सकेंगी। इस समय ई-ट्रेड प्लेटफॉर्म कारपोरेट लेखा समूह की सभी 6 शाखाओं और मिड कारपोरेट समूह की 63 शाखाओं में चल रहा है। मार्च 2012 तक 393 कारपोरेट ई-ट्रेड एसबीआई से जुड़ चुके हैं।



“No. 1 Home Loan Provider with a 26% market share.”

Let me point out that overall CASA ratio declined from 48.52% in March'11 to 46.64% in March'12, a decrease of 188 bps, but this is still well above the CASA ratios other banks strive to achieve.

Gross Advances of your Bank recorded a YoY growth of 15.78% from ₹7,71,802 crores in March'11 to ₹8,93,613 crores in March'12. Credit deposit ratio (domestic) at 78.5% as at the end of March'12 was 220 bps higher than 76.3% at the end of March'11.

Your Bank's advances remain well distributed across all verticals. Large Corporate advances have grown from ₹1,08,741 crores in March'11 to ₹1,25,023 crores in March'12, registering a growth of 15%. Mid-Corporate Advances increased from ₹1,57,566 crores to ₹1,67,639 crores, growing by 6.4%. In fact, I am happy to place on record that your Bank has crossed a milestone of ₹1 lakh crore in agricultural advances.

Retail advances grew 10.9% from ₹1,64,576 crores in March'11 to ₹1,82,427 crores in March'12. Your Bank continues to be the No.1 Home Loan provider with a 26% market share. It also maintains its retail market leadership in Car loan financing and enjoys a market share of 17.51% as on March 2012.

Your Bank is also conscious of its responsibility towards the MSME segment which provides employment to large numbers and contributes substantially to India's GDP and exports. Advances under the SME Business Unit grew 17.40% from ₹1,39,470 crores in March'11 to ₹1,63,745 crores in March'12.

Dividend

I am happy to announce that the Board of Directors of your Bank has declared a dividend of ₹35 per share (350%) for the year ended 31st March 2012.

New Initiatives

- The new product, 'unFIXED Deposits', introduced by your Bank for deposits of 7-180 days, with option to break the deposit any time without penalty, has been a great success. With interest rate of 8-9%, this product is uniquely positioned to attract short term funds and compete with liquid mutual funds, which offer returns ranging from 8.8% to 9.5%.
- To promote trade finance, in March'11 your Bank launched a web-based portal, e-Trade SBI, to provide access to trade finance services with speed and efficiency. Presently, the e-trade platform has been introduced in all 6 CAG Branches and 63 MCG Branches. As on 31st March'12, 393 corporates have registered under e-Trade SBI.



“बैंक के सहयोगियों एवं अनुषंगियों ने सुदृढ़ संवृद्धि दर्शाना जारी रखा। वर्ष के दौरान, एसबीआई लाइफ का सकल प्रीमियम ₹13,000 करोड़ के स्तर को पार कर गया।”

- आपका बैंक स्वयं सहायता समूह बैंक ऋण जुड़ाव कार्यक्रम में बाजार में सर्वश्रेष्ठ है। मार्च 11 को इसकी बाजार में तकरीबन 25.55% हिस्सेदारी थी। मार्च 12 तक इसका 20.65 लाख स्वयं सहायता समूहों के साथ ऋण जुड़ाव हो चुका है और यह कुल मिलाकर ₹17,600 करोड़ राशि के ऋण दे चुका है।
- खुदरा खंड की बढ़ती मांग को पूरा करने और बाजार में उपलब्ध अपार संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए, आपका बैंक एक विशाल इलेक्ट्रॉनिक भुगतान तंत्र स्थापित करने की दिशा में जोरदार प्रयास कर रहा है। इससे हमारे 108 मिलियन डेबिट कार्ड और मर्चेन्ट अभिग्रहण कारोबार इस तंत्र से जुड़ जाएंगे। अब तक 28,000 से अधिक पाइंट आफ सेल टर्मिनलों को इससे जोड़ने के लिए अनुमोदन दिया जा चुका है। इन टर्मिनलों के जरिये मार्च 11 में 2.62 लाख लेनदेन हो रहे थे जिनकी संख्या मार्च 12 में बढ़कर 10.19 लाख तक पहुँच गई।

सहयोगी और अनुषंगियाँ

आपके बैंक के अपने सहयोगियों और अनुषंगियों के माध्यम से वित्तीय सेवाओं के हरेक क्षेत्र में पद चिह्न देखे जा सकते हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता हो रही है कि आपके बैंक के सभी सहयोगी और अनुषंगी लगातार तीव्र वृद्धि दर्शा रहे हैं। वर्ष के दौरान एसबीआई लाइफ की कुल प्रीमियम राशि ₹13,000 करोड़ के स्तर को पार कर गई और कंपनी ने वित्त वर्ष 12 में ₹556 करोड़ का लाभ दर्ज किया। इस प्रकार इसने वर्ष-दर-वर्ष 52% की जोरदार वृद्धि दिखाई और इसकी बाजार में हिस्सेदारी भी 19.9% पर पहुँच गई। एसबीआई लाइफ ने लगातार दूसरे वर्ष संगठनात्मक उत्कृष्टता के लिए एनडीटीवी प्रॉफिट बिजनेस लीडरशिप अवार्ड जीता। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लि. को डीलॉजिक द्वारा दुनिया भर में परियोजना वित्त ऋणों के मामले में नंबर 1 में डेटिटिड लीड अरेंजर घोषित किया गया। वित्त वर्ष 12 के दौरान इसने ₹251 करोड़ का कर पश्चात लाभ दर्ज किया। एसबीआई काइर्स एंड पेमेंट्स सर्विसेज ने 434% वृद्धि दर्ज कर ₹38 करोड़ का कर पश्चात लाभ बताया है।

आपके बैंक ने वित्त वर्ष 12 में भी एशिया प्रशांत क्षेत्र में (इसमें जापान शामिल नहीं है किंतु आस्ट्रेलिया शामिल है) समूह ऋणों के मामले में में डेटिटिड लीड अरेंजर और बुक रनर में अपना अव्वल स्थान बरकरार रखा है। इसमें प्रसन्नता की बात यह है कि बढ़ती प्रतिस्पर्धा और चुनौतियों के माहौल में, आपके बैंक ने कुल मिलाकर 4,758 मिलियन अमरीकी डालर राशि की विदेशी वाणिज्यिक उधारियों के लिए वित्तपोषण की जरूरतों और भारतीय कॉर्पोरेटों की अभिग्रहण संबंधी वित्तीय जरूरतों को पूरा करने के वास्ते 14 बड़े मूल्यवाले सौदे सफलतापूर्वक संपन्न किए।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि सहयोगी बैंकों का परिचालन लाभ वित्त वर्ष 11 के ₹7,569 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 12 में ₹8,214 करोड़ पर पहुँच गया। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि आपकी सभी अनुषंगियाँ लाभ अर्जित कर रही हैं और इनके पास पर्याप्त पूंजी भी है।

सम्मान

यह हर्ष का विषय है कि हमारे सभी प्रयासों को व्यापक पहचान और प्रशंसा प्राप्त हुई। भारतीय स्टेट बैंक को द एशियन बैंकर द्वारा वर्ष 2012 के लिए “भारत में सर्वोत्कृष्ट व्यापार वित्त बैंक” का अवार्ड मिला।



“Bank’s Associates and Subsidiaries continued to show robust growth. During the year, gross premium of SBI Life crossed the ₹13,000 crore mark.”

- Your Bank is the market leader (market share around 25.55% as on March’11) in SHG-Bank Credit Linkage programme having credit linked so far 20.65 lakh SHGs and disbursed loans to the extent of ₹17,600 crores (cumulative) up to March’12.
- To support the growing demand from the retail segment and tap the huge potential available in the market, your Bank moved aggressively to create a comprehensive electronic payment infrastructure to activate our 108 million debit cards and has entered into Merchant Acquiring Business (MAB). It has, so far approved deployment of more than 28,000 POS terminals. The number of transactions from these terminals rose from 2.62 lakh in March’11 to 10.19 lakh in March’12.

Associates and Subsidiaries

Your Bank’s footprints cover every facet of financial services through its Associates and Subsidiaries, and I am happy to point out that all of your Bank’s Associates and Subsidiaries continued to show robust growth. During the year, gross premium of SBI Life crossed the ₹13,000-crore mark and the company recorded a profit of ₹556 crores in FY’12, clocking an impressive YoY growth of 52% with the market share of 19.9%. SBI Life received the NDTV Profit Business Leadership award for organisational excellence for the second consecutive year. SBI Capital Markets Ltd. ranked No. 1 Mandated Lead Arranger - Global Project Finance Loans by Dealogic and posted a PAT of ₹251 crores during FY’12. SBI cards and Payment Services reported after tax profit of ₹38 crores, up by a record 434%.

Your Bank has retained its leadership as Mandated Lead Arranger and Book Runner for syndicated loans in Asia Pacific (excluding Japan but including Australia) in FY’12 also. Remarkably, even in a competitive and challenging environment, your Bank successfully completed 14 high value transactions during the year for financing ECB requirements as well as acquisition related financing requirements of Indian corporates aggregating USD 4,758 million.

You will be glad to see that the Operating Profit of Associate Banks increased from ₹7,569 crores in FY’11 to ₹8,214 crores in FY’12. I am happy to announce that all of our subsidiaries are profitable and well capitalised.

Accolades

It is heartening that all our efforts have received wide attention and appreciation. SBI has been awarded the “Best Trade Finance Bank in India” Award for 2012 by The Asian Banker.



“बैंक ने कारपोरेट सामाजिक दायित्व के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक अवार्ड 2012 जीतकर कारपोरेट सामाजिक दायित्व संबंधी गतिविधियों में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त की।”

वर्ष 2011-12 में बैंक द्वारा कारपोरेट सामाजिक दायित्व क्षेत्र में संचालित गतिविधियों ने नई ऊँचाइयाँ और गौरव प्राप्त किए। आपके बैंक ने वर्ष 2012 में कारपोरेट सामाजिक दायित्व के निर्वाह में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक अवार्ड जीता, जो निदेशक संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दुबई में दिया गया।

भविष्य की ओर एक दृष्टि

दुनिया भर की अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव बना रहा, पर हमें उम्मीद है कि स्थिति बेहतर हो जाएगी। हालांकि यूरो क्षेत्र के देशों का ऋण संकट लगातार वित्त जगत में छाया रहेगा, किंतु हमें आशा है कि विश्व के राजनेता और नियामक इस संकट का कोई न कोई हल ढूँढ़ निकालेंगे। फिर भी, हमारा सतर्क रहना जरूरी है। आज सारे संसार के तार आपस में जुड़े हुए हैं, वैश्विक उथल-पुथल के झटके भारतीय अर्थव्यवस्था में भी अनुभव किए जा सकते हैं। चालू खाता और वित्तीय दोनों प्रकार के घाटे और साथ में विकास की नीची और मुद्रास्फीति की ऊँची दर आने वाले साल में भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौतियाँ हैं।

भारत का बैंकिंग परिदृश्य उत्साहवर्धक और आशावादी है। आपके बैंक को ऋणों में 16% और जमाराशियों में 20% वृद्धि होने की उम्मीद है। आगामी वर्षों में, आपका बैंक खुदरा क्षेत्र पर विशेष ध्यान देगा। हमारी उपलब्धियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि हम प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने के लिए कटिबद्ध हैं। कुल मिलाकर, आपका बैंक नए अवसरों और चुनौतियों के प्रति सतर्क है क्योंकि वर्तमान आर्थिक परिवेश में पहले से कहीं अधिक सूझबूझ की जरूरत है।

अगले कुछ वर्षों में भारत और विश्व का आर्थिक परिदृश्य चुनौतिपूर्ण बना रह सकता है। मैं आपको आश्चस्त करना चाहता हूँ कि इस परिवेश में नए अवसरों के प्रति सतर्क रहकर आपका बैंक जरूरी सूझबूझ के साथ प्रयासरत रहेगा।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,
आपका अपना,

(प्रतीप चौधरी)



“The Bank scaled new heights in CSR activities by winning the prestigious Golden Peacock Award for Corporate Social Responsibility 2012.”

The year 2011-12 saw the CSR activities of the Bank scaling new heights of achievement and glory with your Bank winning the prestigious Golden Peacock Award for Corporate Social Responsibility 2012, awarded in Dubai by the Institute of Directors, New Delhi.

Looking Ahead

The global economy remains fragile, but we hope the situation will improve. Though the Euro zone sovereign debt crisis continues to dominate the financial landscape, we are optimistic the global political leaders and regulators will be able to stem the downside. However, we need to be alert as in today's integrated world, global shocks can get transmitted to the Indian economy. Twin deficits (current account deficit and fiscal deficit) along with low growth and high inflation are the major challenges for Indian economy in the year ahead.

The Indian banking scenario is encouraging and positive. Your Bank is expecting a loan growth of 16% and a deposit growth of 20%. In the coming years, your Bank's main thrust will be on retail, and, as shown by our achievements, we are well positioned to meet the competition. Overall, your Bank will remain vigilant to the new opportunities and challenges as the current economic environment warrants greater prudence.

As we go forward, the Indian and global economic environment could remain challenging for the next few years. Let me assure you that while remaining vigilant to the new opportunities in this milieu, your Bank will act with the necessary prudence as required.

With warm regards,

Yours sincerely,

(PRATIP CHAUDHURI)